तथास्तु
GS SPECIAL
HISTORY
LECTURE - 22
SOUTH INDIAN KINGDOMS
ALL ONE DAY EXAMS 2026-27
COMPLETE GS
AVAILABLE ON
Final
Jeet Rana Sir

Jeet Rana GS

चोल राजवंश (प्रारंभिक संगम काल) - भाग 1

Chola Dynasty (Early Sangam Age) - Part 1

- **संगम काल में चोल राजवंश मुख्य रूप से उत्तरी तमिलनाडु और कोरोमंडल तट के क्षेत्र में फैला हुआ था।**
  During the Sangam Age, the Chola dynasty was mainly spread across the regions of northern Tamil Nadu and the Coromandel Coast.

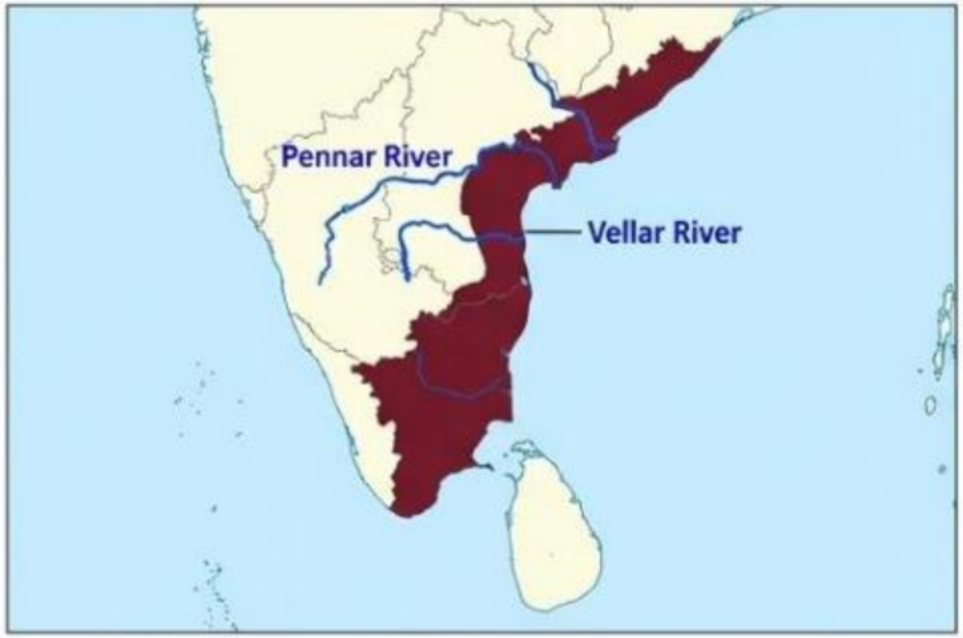

- **इन्होंने पेन्नार और वेल्लार नदियों के बीच शासन किया।**
  They ruled between the Pennar and Vellar rivers.

राजधानी
Capital

- **राजधानी:** इनकी प्रारंभिक राजधानी मंतूर और उरैयूर (Uraiyur) थी। उरैयूर सूती वस्त्रों का एक बहुत प्रसिद्ध केंद्र था। बाद में तंजावुर और पुहार को राजधानी बनाया गया।

  Capital: Their initial capital was Mantur and Uraiyur. Uraiyur was a very famous center for cotton textiles. Later, Thanjavur and Puhar were made capitals.

प्रतीक चिह्न
Emblem

- **प्रतीक चिह्न:** चोल राजाओं का राज्य चिह्न 'बाघ' (Tiger) था।
  Emblem: The state emblem of the Chola kings was the 'Tiger'.

Jeet Rana GS

चोल राजवंश *

Founder → (विजयालय चोल) (848-871)

→ (उपाधि) Tittle → (नरकेसरी) Narkesri

* Initially पल्लवों के सामंत (Feudals of pallavas)

(successor) उत्तराधिकारी "राजा कराईकल" King karaikal → North India Expedition. (उ० भारत अभियान) (मगध + अवंति पर कब्जा)

(Vedi Battle) वेणी युद्ध — North Indian Kings → Defeat

* पुहार बंदरगाह निर्माण (Puhar)

(successor) Aaditya chola (आदित्य चोल) (871-907)

→ उपाधि :- (कोदण्डराम)

→ इन्होंने पल्लवों के अपराजित वर्मन हराया।

(successor) (परांतक चोल)

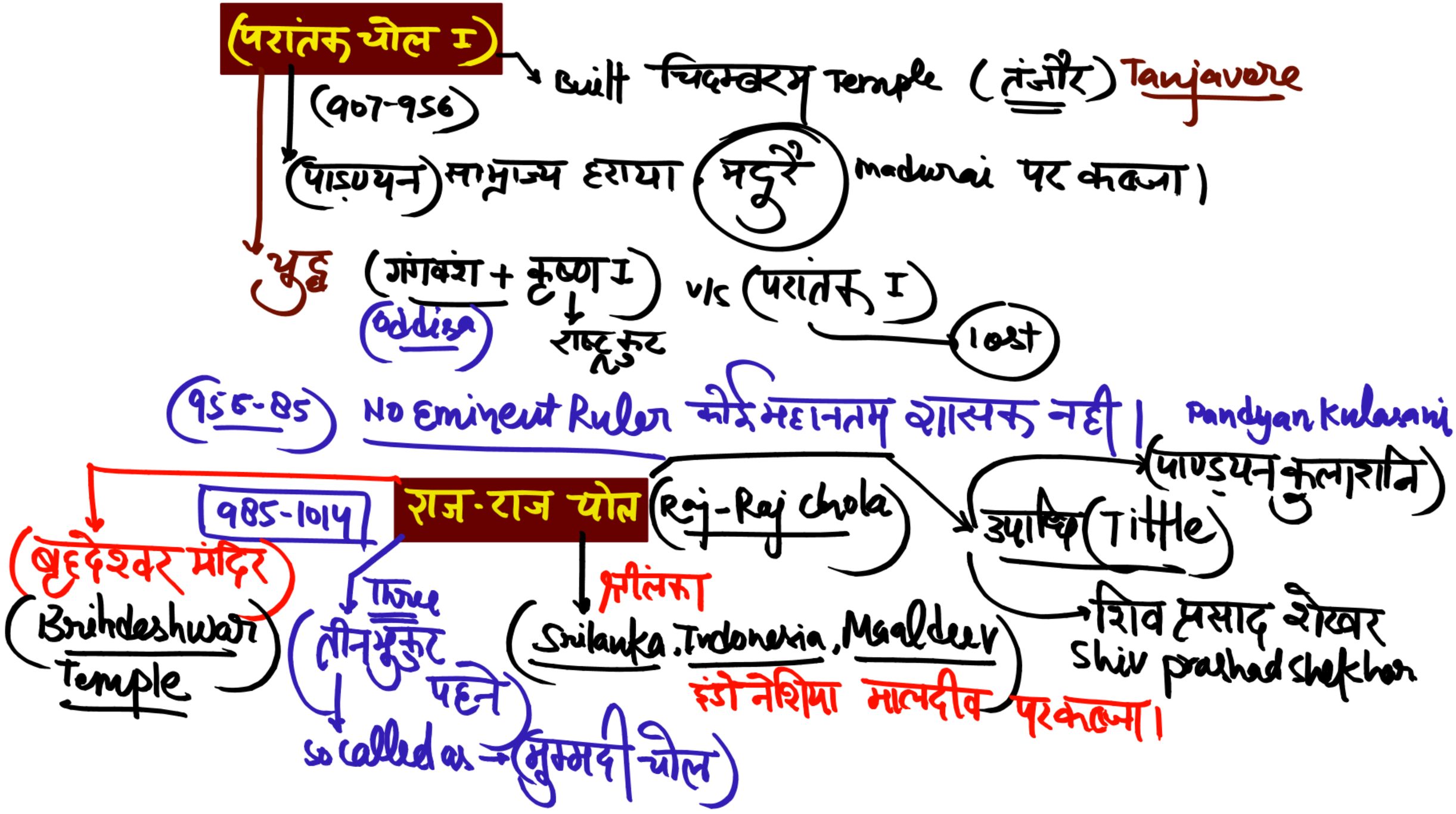

(परांतक चोल I)

(907-956)

→ Built चिदम्बरम Temple (तंजौर) Tanjavore

(पाण्ड्यन) साम्राज्य हराया (मदुरै madurai पर कब्जा)

युद्ध (गंगवंश + कृष्ण I) v/s (परांतक I) → lost

(Oddisa)

कृष्ण I → राष्ट्रकूट

(955-85) No Eminent Ruler कोई महानतम शासक नहीं।

राज-राज चोल (Raj-Raj chola)

985-1014

→ उपाधि (Tittle) → (पाण्ड्यन कुलाशनि) Pandyan Kulasani

→ शिव प्रसाद शेखर Shiv prashad shekhar

→ (बृहदेश्वर मंदिर) (Brihdeshwar Temple)

→ Three तीन मुकुट पहने → so called as → (मुम्मदी-चोल)

→ श्रीलंका (Srilanka, Indonesia, Maaldeev) इंडोनेशिया मालदीव पर कब्जा।

राजेन्द्र चोल *

(1014-1044)

(Gangkondchola)

Tittle :- गैंगकोण्ड चोल

* दक्षिण भारत का सिकन्दर / नेपोलियन

Napolean / Alexzender of South India.

(Vincent Arthur Smith)

* पाल वंश के शासक → महिपाल को हराया।

(Bengal/Bihar)

Defeated Pala Ruler (Mahipal)

* उत्तर भारत में दबदबा होने के कारण।

so make capital → (गैंगकोण्ड चोलपुरम)

(Successor) राजाधिराज Rajadhiraj (1044-54)

Last Ruler (Rajendra Chola III) (1246-79)

संगम युगीन प्रशासन: प्रमुख प्रशासनिक शब्दावली

जित रणा GS

मंडल — पूरे राज्य (State) को मंडल कहा जाता था।

नाडु — प्रांतों (Provinces) के लिए नाडु शब्द का प्रयोग होता था।

उर — दक्षिण भारत के इतिहास में नगर या शहर (Town/Village) को उर कहा जाता था।

मनरम — यह राजा का न्यायालय (King's Court) होता था।

नालवै — यह राज्यसभा या शाही असेंबली को बोला जाता था।

अमाइच्चान — मंत्री (Minister) को कहा जाता था।

एनाडी — सेनापति के लिए यह शब्द प्रयोग होता था।

नडुक्कल और वीरक्कल — शहीद सैनिकों की मूर्तियों को नडुक्कल या वीरक्कल कहा जाता था।

पष्टिनम / पत्तनम — तटीय शहर या बंदरगाह (Port) को पष्टिनम कहा जाता था।

करै — भू-राजस्व (Land Revenue) के कर को करै कहा जाता था, जो धर्मशास्त्रों के अनुसार कुल उपज का 1/6 भाग लिया जाता था।

संगम युगीन प्रशासन और राजा

राजा की स्थिति और उपाधियाँ

संगम प्रशासन में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति राजा होता था। राजा के लिए विभिन्न शब्दों का प्रयोग किया जाता था: "वेंदन", "कोन", "मन्नान", "कोत्रावन" और "इरैवन" ।

वटकिरुत्तल (Vatakkiruttal) प्रथा

युद्ध में हार जाने पर राजा द्वारा अपने प्राण न्योछावर करने या आत्महत्या (Suicide) कर लेने की भयंकर प्रथा को वटकिरुत्तल कहा जाता था।

राजा का जन्मदिवस

राजा के जन्मदिवस को पेरूनल कहा जाता था।

संगम युगीन समाज और सामाजिक वर्ग

Jeet Rana GS

समाज में चतुर्वर्ण व्यवस्था और दास प्रथा नहीं थी। ब्राह्मण वर्ग सबसे उच्च माना जाता था।

वेल्लार: यह कृषक समुदाय था (ब्राह्मणों के बाद इनका स्थान था)। धनी भूमिधरों को मुवेंदवेलम और अरैयार की उपाधि दी जाती थी।

कडेशियर: खेतीहर मजदूरों (Agricultural Labourers) को कडेशियर कहा जाता था।

पुलैयन: चारपाई और चटाई बनाने वालों को पुलैयन कहते थे।

वेनिगर: व्यापारी समुदाय (Merchants) को वेनिगर कहा जाता था।

अन्य वर्ग: एनियर (शिकारी), मलबर (लूटपाट करने वाले), वन्नार (धोबी), परदवार (मछुआरे)।

पाणर और विडेलियर: गायक और नर्तकों के लिए विडेलियर शब्द का उपयोग होता था।

विवाह व्यवस्था: समाज में विधवा विवाह और पुनर्विवाह होता था। माता-पिता की जानकारी के बिना विवाह को 'कलावू' और परिवार द्वारा कराये गए विवाह को 'करपू' कहते थे।

Jeet Rana GS

संगम युगीन धार्मिक जीवन

Jeet Rana GS

तमिल देश के सबसे पुराने और सबसे प्रसिद्ध प्रमुख देवता 'मुरुगन' थे (जिन्हें सुब्रमण्यम, स्कंद या कार्तिकेय भी कहा जाता है)।

→ son of lord shiva

मुरुगन भगवान का प्रतीक चिह्न मुर्गा (Rooster) था।

Religious Practices

संगम काल में धार्मिक आडंबरों से दूर साहित्य की रचना होती थी, लेकिन देवताओं का प्रभाव जनमानस में विद्यमान था।

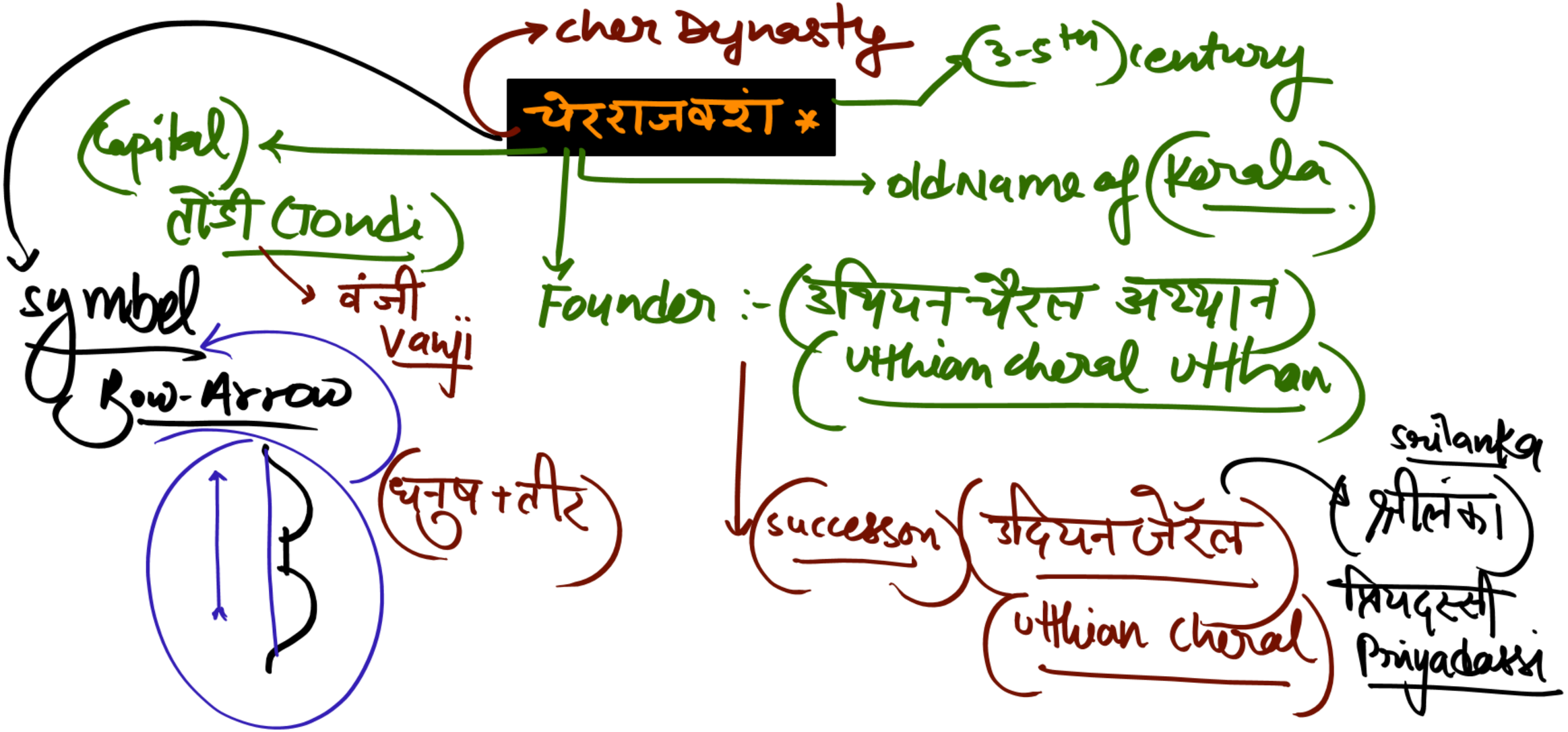

cher Dynasty

चेरराजवंश *

- (3-5th) century
- Capital: तोंडी (Tondi) → वंजी Vanji
- old Name of (Kerala)
- Founder :- (उथियन चेरल अथ्यान) (Uthian cheral Uthan)
- successor (उदियन जेरल) (Uthian cheral)
  - Srilanka (श्रीलंका)
  - प्रियदर्शी Priyadarsi
- symbel: Bow-Arrow (धनुष + तीर)

चेर राजवंश (Chera Dynasty) - भाग 1

Chera Dynasty - Part 1

- चेर राजवंश संगम साहित्य के सबसे प्राचीन राजवंशों में से एक है।
The Chera dynasty is one of the oldest dynasties in Sangam literature.
- संगम साहित्य में सबसे अधिक बार चेर वंश का ही उल्लेख मिलता है।
The Chera dynasty is mentioned most frequently in Sangam literature.

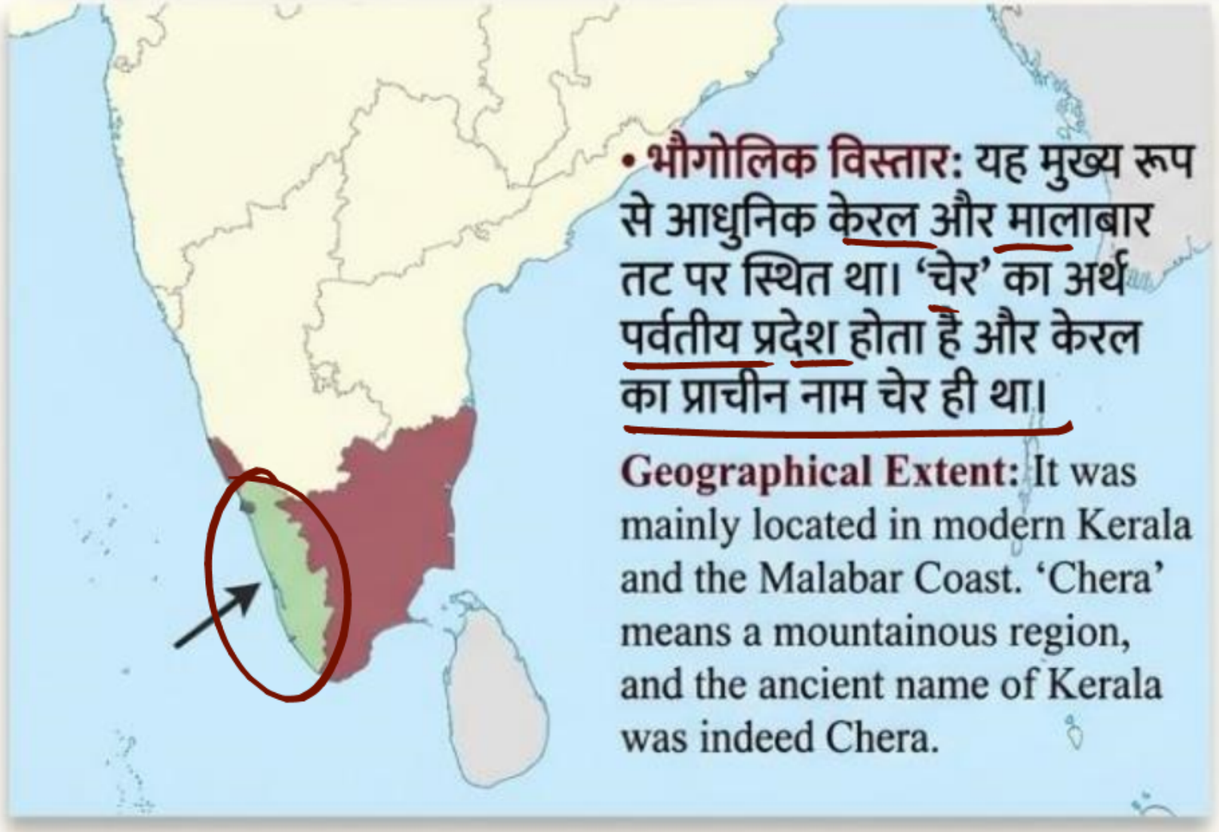

- **भौगोलिक विस्तार:** यह मुख्य रूप से आधुनिक केरल और मालाबार तट पर स्थित था। 'चेर' का अर्थ पर्वतीय प्रदेश होता है और केरल का प्राचीन नाम चेर ही था।

Geographical Extent: It was mainly located in modern Kerala and the Malabar Coast. 'Chera' means a mountainous region, and the ancient name of Kerala was indeed Chera.

- **राजधानी:** इनकी राजधानी वंज्जी (Vanji) अथवा करूर और टोंडी थी।

Capital: Their capital was Vanji or Karur, and Tondi.

- **प्रतीक चिह्न:** चेर राजाओं का प्रतीक चिहन 'धनुष' था। कृष्णा नदी के दक्षिण में स्थित राज्यों के ये प्रतीक बहुत महत्वपूर्ण थे।

Emblem: The state emblem of the Chera kings was the 'Bow'. These emblems of the states situated south of the Krishna river were very important.

Jeet Rana GS

चेर राजवंश (Chera Dynasty) - भाग 2 (प्रमुख शासक)

Chera Dynasty - Part 2 (Major Rulers)

- **उदियन जेरल:** यह चेर वंश के प्रमुख शासकों में से एक थे।

  Udiyanjeral: He was one of the prominent rulers of the Chera dynasty.

- **सेन गुट्टुवन (Senguttuvan):** यह चेर वंश का सबसे महान शासक था। इसे 'लाल चेर' या 'भला चेर' के नाम से भी जाना जाता है।

  Senguttuvan: He was the greatest ruler of the Chera dynasty. He is also known as the 'Red Chera' or the 'Good Chera'.

- **सेन गुट्टवन** ने 'अधिराज' की उपाधि धारण की थी और इसने 'कणगी पूजा' (पत्नी पूजा) नामक धार्मिक संप्रदाय की शुरुआत की थी, जिसमें पत्नी के मंदिरों का निर्माण करवाया गया।

  Senguttuvan assumed the title of 'Adhiraja' and started a religious sect called 'Kannagi Puja' (Wife Worship), in which temples dedicated to the wife were built.

Senguttuvan

- **अदिगइमान (Adigaiman):** यह चेर वंश का एक और प्रसिद्ध राजा था। दक्षिण भारत में गन्ने की खेती की शुरुआत अदिगइमान ने ही की थी।

  Adigaiman: He was another famous king of the Chera dynasty. The cultivation of sugarcane in South India was introduced by Adigaiman.

Jeet Rana GS

पांड्य राजवंश (Pandya Dynasty) – भाग 1

Pandya Dynasty - Part 1

Founder
नेडियान
Naideyan
→ 270BCE

भूगोल और स्रोत (Geography & Source)

- पांड्य साम्राज्य मुख्य रूप से कावेरी नदी के दक्षिण में मदुरई और तमिलनाडु के क्षेत्रों में स्थित था।
  The Pandya empire was primarily located in the regions of Madurai and Tamil Nadu, south of the Kaveri river.
- इस राजवंश की पहली जानकारी मेगस्थनीज की पुस्तक 'इंडिका' से मिलती है। मेगस्थनीज ने लिखा है कि पांड्य राज्य मोतियों (Pearls) के लिए बहुत प्रसिद्ध था और रोम से इसका व्यापार होता था।
  The first information about this dynasty comes from Megasthenes's book 'Indica'. Megasthenes wrote that the Pandya kingdom was very famous for pearls and traded with Rome.
- जीवनरेखा: वैगई नदी (Vaigai River) पांड्य राज्य की जीवन रेखा मानी जाती थी।
  Lifeline: The Vaigai River was considered the lifeline of the Pandya kingdom.

राजधानी और समाज (Capital & Society)

- **राजधानी: इनकी राजधानी मदुरई (मथुरा) थी।**
  Capital: Their capital was Madurai (Mathura).
- **पांड्य वंश 'मातृसत्तात्मक' (Matriarchal) शासन वाला वंश था।**
  The Pandya dynasty was a 'Matriarchal' ruling dynasty.

प्रतीक चिह्न (Emblem)

- प्रतीक चिह्: पांड्य राजाओं का प्रतीक चिह्न 'मछली' (Fish) था।
  Emblem: The state emblem of the Pandya kings was the 'Fish'.

Jeet Rana GS

Jeet Rana GS

पांड्य राजवंश (Pandya Dynasty) - भाग 2 (प्रमुख शासक)

Pandya Dynasty - Part 2 (Major Rulers)

- पांड्य राजाओं ने ही संगम काल के तीनों संगमों (सभाओं) का आयोजन करवाया था।

It was the Pandya kings who organized all three Sangams (assemblies) of the Sangam Age.

नेडुन जेलियन (Nedunjeliyan)

- नेडुन जेलियन: यह पांड्य वंश के प्रमुख और शक्तिशाली शासकों में से एक थे।

Nedunjeliyan: He was one of the prominent and powerful rulers of the Pandya dynasty.

नोडियोंन (Nendiyon)

- नोडियोंन (Nendiyon): यह पांड्य वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक था। नोडियोंन ने ही 'समुद्र पूजा' की शुरुआत की थी।

Nendiyon: He was the most famous ruler of the Pandya dynasty. It was Nendiyon who started 'Sea Worship'.

- 5वीं शताब्दी के अंत तक पांड्यों की शक्ति क्षीण होने लगी और इनका पतन हो गया।

By the end of the 5th century, the power of the Pandyas began to wane, leading to their decline.

Jeet Rana GS

Last Pandyan Ruler :- मारवर्मन सुन्दर पाण्डन II (Malik Kafoor) ने हराया।

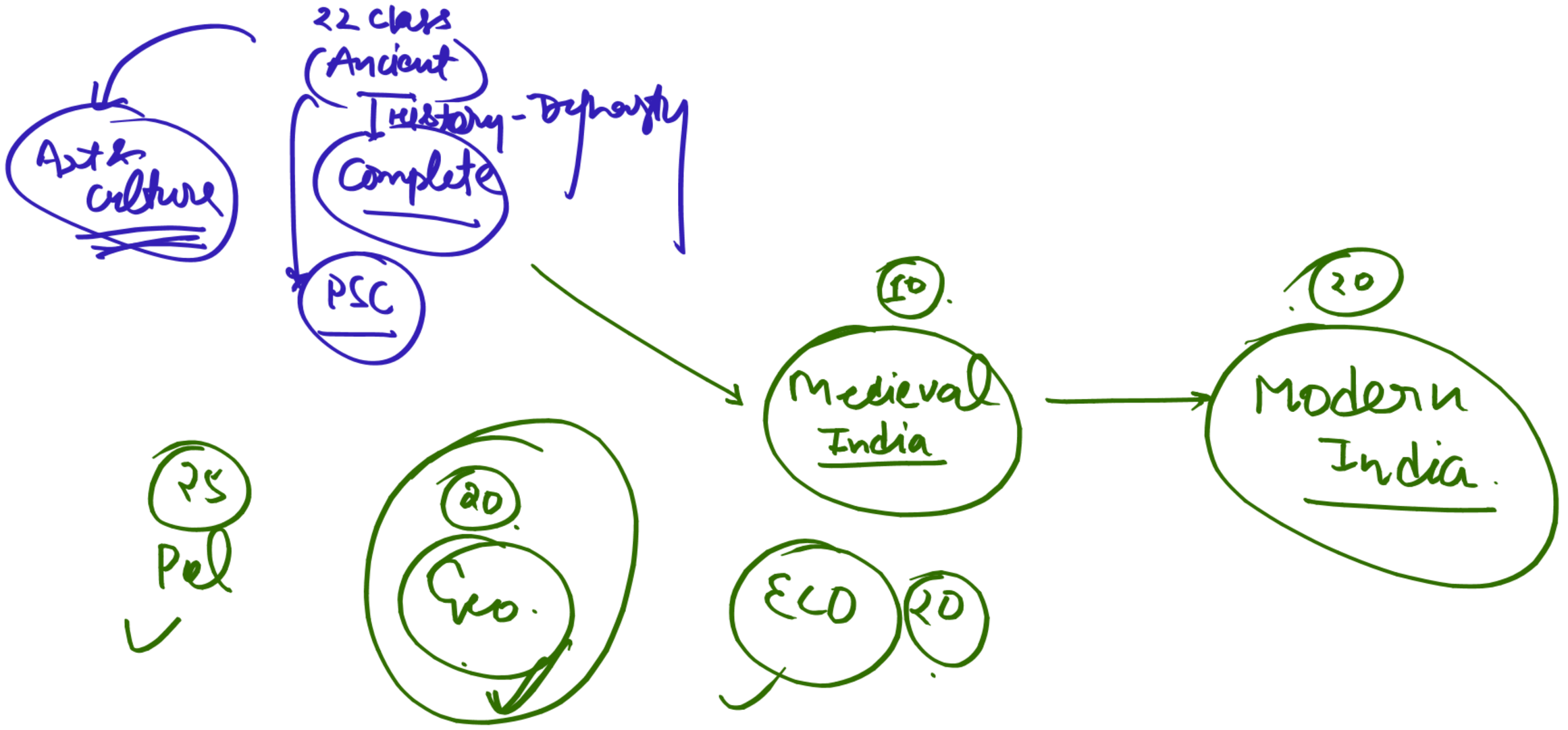

22 class
Ancient
History - Dynasty
Art & culture
Complete
PSC
Medieval India
10
Modern India
20
25
Pol
20
Geo.
ECO
20